

म्हारा हँसला रे चालो शिखर गढ़ काया कोटरी में रंग लागो



म्हारा हँसला रे चालो शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो।

दोहा – कहे संन्त संग्राम राम ने भूलू कीकर,
भूल्या भुन्दी होय मजनो जावे बिखर,
बिखर जावे माजनो जावे गधा की जून,
मोरा पड़सी टाकिया ऊपर लाद सी लुन,
ऊपर लद सी लुन चढ़ावे समो शिखर,
कहे संन्त संग्राम राम ने भूलू कीकर।

म्हारा हँसला रे चालो शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो,
रंग लागो ज्यारो भो भागो,
मारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो।

राम नाम का पियो प्याला,
पिवत पिवत रंग लागो,
सूरत नुरत मिल आई जनाडे,
जद काया में पीव जागो,
मारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो।

झावी इंगला जिमणि पिगला,
सुखमन के धोरे लागो,
तरबिनी का रंग महल में,
अजब धडको अब लागो,
मारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो।

जरमर जरमर मियो बरसे,
गड़गड़ बाबो अंदर गाजे,
पार हाथ भव चढ़गयो शिखर में,
अणगड़ से बातां लागो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिमारा हँसला रे चालो शिखर गढ़ में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



धरण गगन बीच तपसी तापे,
वणी बाबाओं मारो मन लागो,
मश्छन्दर प्रताप जति गोरख बोले,
भाग पुरबलो अब जागो,
मारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो IbdI

म्हारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो,
रंग लागो ज्यारो भो भागो,
मारा हँसला रे चालों शिखर गढ़,
काया कोटरी में रंग लागो IbdI

गायक / प्रेषक – चम्पा लाल प्रजापति ।
मालासेरी डूंगरी 89479-15979